कार्यालय मुख्य निर्वाचन अधिकारी, दिल्ली
ओल्ड सेंट स्टीफंस कॉलेज बिल्डिंग, कश्मीरी गेट,
नई दिल्ली – 110006

- **दिल्ली प्रलोभन-मुक्त चुनाव के लिए तैयार! सख्त प्रवर्तन, रिकॉर्ड-तोड़ जब्ती और बढ़ी हुई निगरानी सुनिश्चित करती है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 निष्पक्ष और पारदर्शी होंगे**

- **चुनाव उल्लंघनों पर व्यापक कार्रवाई! नकदी, शराब, नशीले पदार्थों और मुफ्त उपहारों की जब्ती में अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई, जो स्वच्छ चुनावों के प्रति प्रतिबद्धता को मजबूत करती है**

- **ईएसएमएस ऐप के साथ चुनाव व्यय प्रबंधन के प्रभावी प्रवर्तन के लिए वास्तविक समय में सूचना साझा करना और समन्वय करना**

- **नैतिक मतदान का आह्वान! दिल्ली के मुख्य चुनाव अधिकारी ने मतदाताओं से प्रलोभनों को अस्वीकार करने और ईमानदारी के साथ लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेने का आग्रह किया**

नई दिल्ली **दिनांक: 2 फ़रवरी 2025**

दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 के लिए स्वतंत्र, निष्पक्ष और प्रलोभन-मुक्त चुनावी प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए प्रयास तेज कर दिए हैं। 2020 के चुनावों की तुलना में नकदी, शराब, नशीले पदार्थों और अन्य प्रलोभनों की जब्ती में तेज वृद्धि के साथ, चुनावी कदाचार को रोकने के लिए सख्त उपाय किए जा रहे हैं।

रिकॉर्ड तोड़ जब्ती: प्रवर्तन एजेंसियों ने अवैध प्रलोभनों को पकड़ने में भारी उछाल की सूचना दी है:

Sr. No	ब्यौरा	DLA 2025 (Rs.)	DLA 2020 (Rs.)	% बढ़ोतरी
1	नकद	38,64,20,564	12,80,97,900	202%
2	मादक पदार्थ	88,40,08,723	7,91,58,750	1017%
3	बुलियन	80,78,50,903	33,86,06,910	139%
4	विविध/मुफ्त	5,52,07,159	2,16,10,000	155%
5	शराब	4,93,75,770	2,91,96,131	69%

बेहतर निगरानी: निगरानी दलों की तैनाती में तीन गुना वृद्धि, 636 फ्लाइंग स्क्वाड टीमें (FST) और 630 स्टेटिक सर्विलांस टीमें (SST) सक्रिय रूप से चुनाव गतिविधियों की निगरानी कर रही हैं। FST/SST के साथ साथ क्विक रिस्पांस टीम भी दिल्ली पुलिस और आयकर की बेहतर और प्रभावी निगरानी में सहायता कर रही है।

व्यापक प्रवर्तन नेटवर्क: दिल्ली पुलिस, आयकर, नारकोटिक्स और आबकारी विभागों के अलावा, DRI, CGST, RPF और प्रवर्तन निदेशालय जैसी एजेंसियों को कड़ी निगरानी के लिए लगाया गया है।

तकनीक से प्रेरित पारदर्शिता:

- cVIGIL ऐप: नागरिकों को वास्तविक समय में चुनाव उल्लंघनों की रिपोर्ट करने में सक्षम बनाता है।
- ESMS (चुनाव जब्ती प्रबंधन प्रणाली): बेहतर ट्रैकिंग और जवाबदेही के लिए इंटरसेप्ट की गई वस्तुओं का वास्तविक समय में डिजिटलीकरण सक्षम करता है।

सख्त कानूनी कार्रवाई: विभिन्न अधिनियमों के तहत 2703 एफआईआर दर्ज की गई हैं, जो पूरे 2020 के चुनावों में दर्ज 2067 एफआईआर से अधिक है, अधिकारी उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ त्वरित कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित कर रहे हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सभी मतदाताओं से लोकतांत्रिक प्रक्रिया में जिम्मेदारी से भाग लेने और cVIGIL ऐप या चुनाव हेल्पलाइन के माध्यम से किसी भी चुनाव संबंधी गड़बड़ी की रिपोर्ट करने का आग्रह किया है। किसी भी उल्लंघन की रिपोर्ट करने के लिए सभी डीईओ और सीईओ के कार्यालय में 24x7 कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। समाचार पत्रों में प्रकाशन और वेबसाइटों पर प्रदर्शित करके कंट्रोल रूम के नंबर व्यापक रूप से प्रसारित किए गए हैं। हर वोट मायने रखता है – आइए दिल्ली के चुनावों की अखंडता को बनाए रखें!

*****